लाखों-करोड़ खर्च कर रहे हैं, लेकिन नदियों के संरक्षण के लिए हमारी प्राथमिकता नहीं है। केवल कुछ राष्ट्रीय नदियाँ हैं, जिनके संरक्षण की चिंता होती है, ...(**समय की घंटी**)... लेकिन स्थानीय नदियों के संरक्षण के लिए मैं चाहूँगा कि सरकार इस पर ध्यान दे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Ashok Bajpai: Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Prof. Manoj Kumar Jha (Bihar), Dr. Sonal Mansingh (Nominated), Dr. Radha Mohan Das Agrawal (Uttar Pradesh), Shrimati Seema Dwivedi (Uttar Pradesh), Shri Vijay Pal Singh Tomar (Uttar Pradesh), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Amar Patnaik (Odisha) and Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal).

धन्यवाद, माननीय डा. अशोक बाजपेयी जी। माननीय श्री रामचंद्र जांगड़ा जी - Demand to provide houses to Gadia Lohars in Delhi and take steps to uplift the social status of this nomadic community.

Demand to provide houses to 'Gadia Lohars' in Delhi and take steps to uplift the social status of this Nomadic Community

श्री रामचंद्र जांगड़ा (हरियाणा): माननीय उपसभापति महोदय, मैं एक गंभीर विषय की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। मान्यवर, कुछ लोग, जो गरीब-हितैषी होने का स्वांग रचते हैं और कुछ पार्टियाँ, जो गरीबों के कल्याण के नाम पर वोट लेकर सत्ता का आनंद लेती हैं, मेरी बात से उनका असली चेहरा व चरित्र देश की जनता के सामने आ जाएगा। मान्यवर, सन् 2001 में दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी, जिसके मुख्य मंत्री, माननीय चौधरी साहिब सिंह वर्मा थे। उन्होंने गरीब घुमंतू, देशभक्त जाति, गाड़िया लोहार के पुनर्वास की योजना बनाई तथा स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में तत्कालीन शहरी विकास मंत्री, श्री अनंत कुमार से रोहिणी के सेक्टर-2 में गाड़िया लोहारों के लिए छोटे फ्लैट बनाने की योजना का शिलान्यास करवाया। मान्यवर, 2 वर्ष के कार्यकाल में ये फ्लैट्स बन कर तैयार हो गए, जिनका उद्घाटन तत्कालीन शहरी विकास मंत्री, श्री बंडारू दत्तात्रेय जी ने किया। इन फ्लैट्स में केवल एक रिहायशी कमरा और नीचे उनके काम करने के लिए एक दुकान थी। इसमें इतना ही निर्माण था और 35 के लगभग ये फ्लैट्स थे। मान्यवर, इन लोगों का दुर्भाग्य कहेंगे कि दिल्ली में कांग्रेस नीत शीला दीक्षित जी की सरकार आ गई, जो 2013 तक चली। इसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी के श्री केजरीवाल जी की सरकार आ गई, जो अभी भी सत्तारूढ़ है। मान्यवर, 20 सालों से ये फ्लैट्स खाली पड़े हैं और ये खंडहर होने की कगार पर हैं, लेकिन गाड़िया लोहार फुटपाथों पर गंदगी के बीच पड़े हैं। मान्यवर, गरीबों के हितैषी होने का स्वांग रचने वाली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का इससे बड़ा संवेदनहीनता का कोई उदाहरण नहीं मिल सकता है।

मेरा भारत सरकार से आग्रह है कि उपरोक्त विषय पर तुरंत संज्ञान लेकर इन फ्लैट्स की मरम्मत करवा कर ये गाड़िया लोहारों को दिए जाएँ और वहाँ बिजली, पानी तथा सीवरेज की सुविधाएँ दी जाएँ। अगर ये फ्लैट्स कम पड़ते हों, तो और फ्लैट्स बना कर उनको पुनर्वासित किया जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Ram Chander Jangra: Lt. Gen. (Dr.) D.P. Vats (Retd.) (Haryana), Shri Harnath Singh Yadav (Uttar Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu, Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) and Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal).

SHRI NARAIN DASS GUPTA: Sir,...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record. Now, Shri M. Mohamed Abdulla; Demand to constitute Food Processing Ministry to improve cold chain infrastructure in the country. Please speak. That will go and record.

Demand to constitute Food Processing Ministry to improve Cold Chain Infrastructure in the country

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (TAMIL NADU): Sir, India suffers from a serious level of unbalanced distribution of food. Something even more worrying is that the country wastes a significant portion, which is approximately sixteen per cent of its farm produce, such as fruits and vegetables due to less availability of cold chain infrastructure. Often, we see the practice of farmers destroying their produce instead of selling it at awfully low prices. Our Indian food processing sector has a tremendous capacity for growth that can improve socio-economic condition of the rural masses. However, the performance of this sector is lagging substantially when compared to other developing nations. India is ranked first in the production of milk, banana, papaya, mango, ginger and pulses globally. Sir, however, the overall processing level of the perishable products stands at just ten per cent, which significantly limits to the processing capacity when compared to other nations, such as the U.S.A., France and Thailand. Despite having the advantage of favourable, agri-climatic condition, the Indian food processing sector lags compared to global food processing supply chain

* Not recorded.